इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

स्नातक

इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

(स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर क्रेडिट पद्धति हेतु प्रश्नपत्र प्रारूप)

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में विभक्त है।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक एवं 03 क्रेडिट का होगा और सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 42 क्रेडिट का होगा।
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र में तीन प्रकार के प्रश्न – अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय एवं निबन्धात्मक होंगे। प्रथम प्रश्न अतिलघुउत्तरीय होगा। दूसरे से 5वें तक के प्रश्न लघुउत्तरीय और छठवें से दसवें तक के प्रश्न निबंधात्मक होंगे। इस प्रकार कुल 10 प्रश्न पूँछें जाएंगे, जिनमें से कुल 07 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
4. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न में कुल 5 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। इस प्रकार प्रथम प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
5. लघुउत्तरीय प्रश्न– प्रत्येक प्रश्न पत्र में कुल 04 लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिसमें किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा और उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
6. निबन्धात्मक प्रश्न– प्रत्येक इकाई से कम से कम 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न पूँछे जायेंगे, जिनमें से केवल 03 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा और उत्तर लगभग 400 शब्दों में देने होंगे। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
7. प्रथम सेमेस्टर में पर्यावरण, द्वितीय सेमेस्टर में राष्ट्र गौरव, तृतीय सेमेस्टर में संस्कृत, चतुर्थ सेमेस्टर में योग, पंचम सेमेस्टर में कम्प्यूटर एवं षष्ठ सेमेस्टर में विकलांगता एवं पुर्नवास अनिर्वाय प्रश्न पत्र के रूप में सम्मिलित किया गया है।
8. प्रत्येक प्रश्नपत्र में कुल 45 व्याख्यान होंगे।

प्रश्न–पत्र का प्रारुप

प्रश्नों के प्रकार	अंक	प्रश्न संख्या	विस्तृत स्वरुप
अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	10 (5X2)	01.(i).....(v)	05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय।
लघुउत्तरीय प्रश्न	30 (10X3)	02.....05 (04)	किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो।
निबन्धात्मक प्रश्न	60 (20X3)	06.....10 (05)	किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में हो।
	पूर्णांक–100	**कुल प्रश्नों की संख्या 10**	**कुल सात प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।**

इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
पाठ्यक्रम– स्नातक

प्रथम सेमेस्टर : **क्रेडिट**

प्रथम प्रश्नपत्र	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (छठीं शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0पू0 तक)	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (चतुर्थ शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0 तक)	3

द्वितीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (चतुर्थ शताब्दी ई0 से 7वीं शताब्दी ई0 तक)	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (7वीं शताब्दी ई0से 11वीं शताब्दी ई0 तक)	3

तृतीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास (13वीं शताब्दी ई0 से 15वीं शताब्दी ई0 तक)	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	मध्यकालीनभारत का राजनैतिक इतिहास (16वीं शताब्दी ई0 से 17वीं शताब्दी ई0 तक)	3

चतुर्थ सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	आधुनिक भारत का राजनैतिक इतिहास (17वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0 तक)	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	आधुनिक भारत का राजनैतिक इतिहास (19वीं शताब्दी ई0 से 20वीं शताब्दी ई0 तक)	3

पंचम सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	भारतीय संस्कृति	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	दक्षिण भारत का इतिहास (संगम युग से 1200 ई0तक)	3
तृतीय प्रश्न प्रत्र	भारतीय पुरातत्व– प्रथम	3

षष्ठ सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	भारतीय संस्कृति– धर्म एवं दर्शन	3
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	दक्षिण भारत की शासन व्यवस्था एवं संस्कृति	3
तृतीय प्रश्न प्रत्र	भारतीय पुरातत्व– द्वितीय	3

इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
बी0ए0
प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(छठीं शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0पू0 तक)

HSB-101 **क्रेडिट–03**

इकाई– 1. प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत –साहित्यिक स्रोत, पुरातात्विक स्रोत, विदेशी यात्रियों के विवरण। **(10 व्याख्यान)**

इकाई– 2. छठीं शताब्दी ई0पू0 में उत्तर भारत की राजनैतिक दशा–

- षोडस महाजनपद, दस गणतंत्र, चार राजतंत्र।
- महावीर स्वामी एवं उनकी शिक्षाएं, गौतम बुद्ध एवं उनकी शिक्षाएं। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 3. मगध साम्राज्य का उत्कर्ष –

- हर्यंक वंश –विम्बिसार, अजातशत्रु, उदायिन
- शिशुनाग वंश– शिशुनाग, कालाशोक
- नन्द वंश – महापद्मनन्द

(15 व्याख्यान)

कुल– 45 व्याख्यान

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(चतुर्थ शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0 तक)
HSB-102

इकाई– 1. मौर्य वंश–चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक एवं उसका धम्म, मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. मौर्योत्तर कालीन राजवंश– **(10 व्याख्यान)**

- वैम्बिक/शुंग वंश–पुष्यमित्र
- सातवाहन वंश गौतमी पुत्र शातकर्णि
- चेदि राजवंश– खारवेल।

इकाई– 3. विदेशी आक्रमण – सिकन्दर का आक्रमण एवं प्रभाव, हिन्द – यवन – डेमेट्रियस, मेनाण्डर, शक– रुद्रदामन, कुषाण राजवंश – कनिष्क प्रथम, तिथि एवं उपलब्धियाँ।

(20 व्याख्यान)

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 राय चौधरी, एच0सी0 – पोलिटिकल हिस्ट्री ऑव एन्शियन्ट इण्डिया।
2 नेगी, जे0एस0 – ग्राउण्ड वर्क ऑव एन्शियन्ट इण्डियन हिस्ट्री
3 उपाध्याय, वी0एस0 – प्राचीन भारत का इतिहास
4 त्रिपाठी, आर0एस0 – प्राचीन भारत का इतिहास
5 झा, डी0एन0 एवं श्रीमाली, के0एम0 – प्राचीन भारत का इतिहास
6 केसरवानी, प्रदीप कुमार – प्राचीन भारत का इतिहास
7 मजूमदार, आर0सी – द एज ऑफ इम्पीरियल यूनिटी

बी0ए0
द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(चतुर्थ शताब्दी ई0 से 7वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-201

क्रेडिट–03

इकाई– 1. गुप्तवंश – उद्भव एवं मूलस्थान, चन्द्रगुप्त प्रथम। **(10 व्याख्यान)**

इकाई– 2. गुप्त शक्ति का उत्कर्ष – समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त।
वाकाटक वंश –रुद्रसेन प्रथम से रुद्रसेन द्वितीय तक का संक्षिप्त इतिहास।
(20 व्याख्यान)

इकाई–3. थानेश्वर का वर्धन राजवंश – इतिहास जानने के स्रोत, हर्षवर्धन एवं उपलब्धियॉ, ह्वेनसांग, हर्ष का प्रशासन, साम्राज्य विस्तार **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(7वीं शताब्दी ई0से 11वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-202

क्रेडिट–03

इकाई– 1. राजपूत राजवंश –राजपूतों का उद्भव।
गुर्जर प्रतिहार वंश –नागभट्ट द्वितीय, मिहिर भोज प्रथम।
चंदेलवंश – यशोवर्मन, धंग, विद्याधर, कीर्तिवर्मन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. गहड़वाल वंश – गोविन्दचन्द, जयचन्द।
चाहमान वंश– अर्णोराज, विग्रहराज चतुर्थ, पृथ्वीराज तृतीय। **(10 व्याख्यान)**

इकाई–3. दक्षिणापथ के प्रमुख राजवंश –

1– वातापी का चालुक्य वंश – पुलकेशिन द्वितीय।
2–राष्ट्रकूट वंश –गोविन्द तृतीय, इन्द्र तृतीय।
3–चोलराजवंश – राजराज प्रथम, राजेन्द्र प्रथम
4– प्रशासन– चोल प्रशासन, पल्लव प्रशासन, राष्ट्रकूट प्रशासन।

(20 व्याख्यान)

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1	उपाध्याय, वी0एस0	–	प्राचीन भारत का इतिहास
2	त्रिपाठी, आर0एस0	–	प्राचीन भारत का इतिहास
3	नेगी, जे0एस0	–	ग्राउण्ड वर्क ऑव एन्शियन्ट इण्डियन हिस्ट्री
4	राय, यू0 एन0	–	गुप्त वंश का इतिहास
5	राय चौधरी, एच0सी0	–	पोलिटिकल हिस्ट्री ऑव एन्शियन्ट इण्डिया
6	केसरवानी, प्रदीप कुमार	–	हर्ष और उसका युग
7	पाठक, विशुद्धानन्द	–	उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास
8	याजदानी, जी0 (हिन्दी अनुवादक)	–	दकन का प्राचीन इतिहास
9	शास्त्री, नीलकंठ	–	दक्षिण भारत का इतिहास
10	पाण्डेय, राम निहोर	–	दक्षिण भारत का इतिहास
11	दुबे, एच0एन0	–	दक्षिण भारत का इतिहास

बी0ए0
तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(13वीं शताब्दी ई0 से 15वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-301 क्रेडिट–03

इकाई– 1. दिल्ली सल्तनत–इल्बरी वंश– कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजियाबेगम, बलबन। खिलजीवंश– अलाउद्दीन खिलजी। तुगलकवंश – मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 2. विजय नगर साम्राज्य का संक्षिप्त इतिहास, कृष्ण देव राय एवं उनका प्रशासन। बहमनी साम्राज्य का संक्षिप्त इतिहास एवं प्रशासन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3. भक्ति आंदोलन एवं सूफी सम्प्रदाय। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(16वीं शताब्दी ई0 से 17वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-302 क्रेडिट–03

इकाई– 1. मुगल साम्राज्य– बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहॉगीर, नूरजहॉ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. शाहजहॉ, औरंगजेब, मुगलकाल का स्वर्णयुग, मुगलों का पतन। सूरीवंश–शेरशाह सूरी, प्रशासन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–3. मराठा साम्राज्य– शिवाजी, मराठा प्रशासन। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 श्रीवास्तव, आशिर्वादी लाल – मध्यकालीन इतिहास
2 वर्मा, हरिश्चन्द्र – मध्यकालीन इतिहास
3 मजूमदार, रमेश; चौधरी, हेमचन्द्र; एवं दत्त, कालिकिंकर – भारत का वृहत इतिहास (भाग–2)
4 शर्मा, एल0पी0 – मध्यकालीन इतिहास
5 नागौरी, जीतेश – दिल्ली सल्तनत

बी0ए0
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का राजनैतिक इतिहास
(17वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-401 क्रेडिट–03

इकाई– 1. अंग्रेजी सत्ता की स्थापना – भारत में यूरोपीय व्यापार का प्रवेश, बंगाल में ब्रिटिश शासन की स्थापना। **(10 व्याख्यान)**

इकाई– 2. कम्पनी के गवर्नर जनरल – वारेन हेंस्टिंग्स, लार्ड कार्नवालिस, लार्ड वेलेजली, लार्ड विलियम बैंटिंक, लार्ड डलहौजी एवं अन्य। **(25 व्याख्यान)**

इकाई–3. महाराजा रणजीत सिंह – जीवन एवं उपलब्धियॉ, 1857 ई0 के क्रान्ति के कारण एवं परिणाम। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक भारत का राजनैतिक इतिहास
(19वीं शताब्दी ई0 से 20वीं शताब्दी ई0 तक)
HSB-402 क्रेडिट–03

इकाई– 1. भारत में स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास–
राष्ट्रवाद का जन्म, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म, असहयोग आन्दोलन, खिलाफत आंदोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 2. स्वतंत्रता की प्राप्ति, उदारवादी एवं उग्रवादी नेता और भारत का विभाजन। **(10 व्याख्यान)**

इकाई–3. धार्मिक और सामाजिक सुधार आन्दोलन

- ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज, थियोसोफिकल सभा।
- मुस्लिम सुधार आन्दोलन **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 ग्रोवर, बी0एल0 – आधुनिक भारत का इतिहास
2 शुक्ल, आर0एल0 – आधुनिक भारत का इतिहास
3 विपिन, चन्द्र – भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
4 जैन, के0सी0 – आधुनिक भारत
5 मजूमदार, रमेश चन्द्र, राय चौधरी, हेमचन्द्र एवं दत्त, कालिकिंकर – भारत का वृहत इतिहास (भाग–3)

बी0ए0
पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : भारतीय संस्कृति
HSB-501 क्रेडिट–03

इकाई– 1. संस्कृति का अर्थ, सभ्यता और संस्कृति में अन्तर, भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ। **(10 व्याख्यान)**

इकाई– 2. हड़प्पा युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, वैदिक युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, छठीं शताब्दी ई0पू0 में समाज एवं अर्थव्यवस्था, मौर्य युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, गुप्त युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–3. आश्रम व्यवस्था, हिन्दू संस्कार, पुरुषार्थ, विवाह, स्त्रियों की स्थिति। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 वाशम, ए0एल0 – अद्भुत भारत
2 मिश्र, जयशंकर – प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास
3 दुबे, हरिनारायण – भारतीय संस्कृति
4 लूनिया, बी0एन0 – भारतीय संस्कृति

द्वितीय प्रश्न पत्र : दक्षिण भारत का इतिहास
(संगम युग से 1200 ई0तक)
HSB-502 क्रेडिट–03

इकाई– 1. **दक्षिण भारत के राजवंश –**

- पल्लव वंश – महेन्द्र वर्मन प्रथम, नरसिंह वर्मन प्रथम
- राष्ट्रकूट राजवंश – ध्रुव, गोविन्द तृतीय, इन्द्र तृतीय।
- चोल राजवंश – राजराज प्रथम, राजेन्द्र प्रथम। **(25 व्याख्यान)**

इकाई– 2. संगमयुगीन समाज एवं संस्कृति **(08 व्याख्यान)**

इकाई– 3. दक्षिण भारत में अर्थ व्यवस्था (700–1200ई0) कृषि, व्यापार एवं वाणिज्य। **(12 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 दुबे, हरिनारायण – दक्षिण भारत का इतिहास
2 शास्त्री, नीलकण्ठ – दक्षिण भारत का इतिहास
3 पाण्डेय, आर0एन0 – दक्षिण भारत का इतिहास
4 मिश्र, एस0एम0 – दक्षिण भारत का इतिहास
5 श्रीवास्तव, बलराम – दक्षिण भारत का इतिहास

बी0ए0
पंचम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय पुरातत्व– प्रथम
HSB-503 क्रेडिट–03

इकाई– 1. पुरातत्व की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, मानविकी विज्ञानों से सम्बन्ध – इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र एवं नृतत्व विज्ञान। विज्ञान विषयों से सम्बन्ध– भूगर्भ विज्ञान, पुरा वनस्पति विज्ञान, पुरा प्राणि विज्ञान। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 2. भारत में पाषाण कालीन सभ्यताएँ– पुरापाषाण काल।
मध्यपाषाण काल।
नवपाषाण काल। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3. सैन्धव सभ्यता– उद्भव, तिथि, विस्तार एवं नगर नियोजन, कला, व्यापार एवं वाणिज्य। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 पाण्डेय, जे0एन0 – पुरातत्व विमर्श
2 वर्मा, आर0के0 – भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियॉ
3 पाण्डेय, विमलेश कुमार – भारतीय पुरातत्व के मूल तत्व
4 पाण्डेय, राकेश प्रताप – भारतीय पुरातत्व
5 थपल्याल, किरन कुमार – सिंधु सभ्यता
6 संकालिया, एच0 डी0 – प्री एण्ड प्रोटो हिस्ट्री ऑफ इण्डिया एण्ड पाकिस्तान
7 अग्रवाल, डी0पी0 – कॉपर ब्रान्ज एज इन इण्डिया

षष्ठ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : भारतीय संस्कृति– धर्म एवं दर्शन
HSB-601 क्रेडिट–03

इकाई– 1. हडप्पा धर्म, वैदिक धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म। **(12 व्याख्यान)**

इकाई– 2. शैव, वैष्णव, शाक्त, स्कन्द– कार्तिकेय, सूर्यपूजा एवं गाणपत्य सम्प्रदाय। **(08 व्याख्यान)**

इकाई–3. सांख्य दर्शन – सत्कार्यवाद, प्रकृति, पुरुष।
गीता दर्शन– कर्मयोग, भक्तियोग एवं ज्ञान योग।
वेदान्त दर्शन –शंकर का अद्वैत दर्शन, रामानुज का विशिष्टाद्वैतवाद। **(25 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 वाशम, ए0एल0 – अद्भुत भारत
2 मिश्र, जयशंकर – प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास
3 दुबे, हरिनारायण – भारतीय संस्कृति
4 लूनिया, बी0एन0 – भारतीय संस्कृति
5 दत्त एवं चटर्जी – भारतीय दर्शन
6 उपाध्याय, महेन्द्र कुमार – प्राचीन भारतीय राज्य एवं धर्म
7 भण्डारकर, डी0 आर0 – शैव, वैष्णव एवं अन्य धार्मिक मत

द्वितीय प्रश्न पत्र : दक्षिण भारत की शासन व्यवस्था एवं संस्कृति

HSB-602 क्रेडिट–03

इकाई– 1. प्रशासन – पल्लव प्रशासन, वातापी का चालुक्य प्रशासन, राष्ट्रकूट प्रशासन, चोल प्रशासन **(25 व्याख्यान)**

इकाई– 2. कला – पल्लव कला, चोल कला। **(08 व्याख्यान)**

इकाई–3. धर्म –पल्लव, राष्ट्रकूट एवं चोलकालीन धार्मिक स्थिति **(12 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 दुबे, हरिनारायण – दक्षिण भारत का इतिहास
2 शास्त्री, नीलकण्ठ – दक्षिण भारत का इतिहास
3 पाण्डेय, आर0एन0 – दक्षिण भारत का इतिहास
4 मिश्र, एस0एम0 – दक्षिण भारत का इतिहास

षष्ठ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय पुरातत्व– द्वितीय

HSB-603 क्रेडिट–03

इकाई– 1. पात्र परम्पराएँ– गैरिक मृद्भाण्ड परम्परा, चित्रित धूसर मृद्भाण्ड परम्परा, उत्तरी कृष्ण मार्जित चमकीली पात्र परम्परा। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 2. भारत में लोहे की प्राचीनता, वृहत् पाषाणिक संस्कृति। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3. पुरातात्विक स्थल –कोलडिहवा, तक्षशिला, हस्तिनापुर, कौशाम्बी, अतरंजीखेड़ा, चिरॉंद, झूँसीं। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें:

1 पाण्डेय, जे0एन0 – पुरातत्व विमर्श
2 वर्मा, आर0के0 – भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियॉं
3 पाण्डेय, विमलेश कुमार – भारतीय पुरातत्व के मूल तत्व
4 पाण्डेय, राकेश प्रताप – भारतीय पुरातत्व
5 तिवारी, डी0पी0 – इक्सकैवेसन्स एट सौफरी एण्ड एक्सप्लोरेसन इन गंगा प्लेन
6 तिवारी, डी0पी0 – इक्सकैवेसन्स एट मदनापुर
7 पाल, जे0एन0 – अर्कियोलॉजी ऑफ साउदर्न उ0प्र0
8 मिश्र, वी0 डी0 – सम आसपेक्ट्स ऑफ इण्डियन आर्कियोलॉजी